भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2237

सोमवार, 08 मार्च, 2021/17 फाल्गुन, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र के शिवाजी महाराज द्वारा विकसित किलों का जीर्णोद्धार

2237. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के आराध्या दैवत छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित किलों का जीर्णोद्धार करने के लिए कोई योजना बनाई गई है या कार्यान्वित की गई है;

(ख) क्या इस संबंध में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास लंबित है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से राज्य की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' तथा 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन योजना' (प्रसाद) के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधि की उपयोगिता आदि की शर्त पर इन परियोजनाओं को स्वीकृति दी जाती है।

वर्तमान में स्वदेश दर्शन योजना की समीक्षा चल रही है तथापि स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं के अंतर्गत महाराष्ट्र को निम्नलिखित परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई है:-

क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 19.06 करोड़ रुपए की कुल राशि से वर्ष 2015-16 में सिंधुदुर्ग तटवर्ती परिपथ के विकास की स्वीकृति दी गई।

ख) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत कुल 54.01 करोड़ रुपए की राशि से वर्ष 2018-19 में वाकी-अड़ासा-ढापेवाडा-पराधसिंघा-छोटा ताजबाग-तेलनखंडी-गिराड के विकास को स्वीकृति दी गई।

ग) प्रसाद योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में कुल 37.80 करोड़ रुपए की राशि से त्रंबकेश्वर के विकास को स्वीकृति दी गई।

****